बुधवार
13 अप्रैल 2022

पृष्ठ 4

इन तरीकों से करें अपने कार की सफाई, लगेगी एकदम नई जैसी!

पृष्ठ 5

जब मैं फिल्मों में आई तो मुझे निर्माता की भूमिका के बारे में नहीं पता था:विद्या बालन

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 74
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

चंद्रमा अपना प्रकाश संपूर्ण आकाश में फैलाता है परंतु अपना कलंक अपने ही पास रखता है।
– रवींद्र

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

सीएम धामी के लिए सीट छोड़ेगें कांग्रेस विधायक हरीश धामी!

विशेष संवाददाता

देहरादून। धारचुला सीट से लगातार तीन बार चुनाव जीतकर आये कांग्रेस विधायक हरीश धामी ने एक बार फिर अपने तेवर हाईकमान को दिखाये हैं। उन्होने कहा है कि अगर क्षेत्र की जनता कहेगी तो वह सीएम पुष्कर सिंह धामी के लिए सीट छोड़ सकते है। उनका कहना है कि कांग्रेस ने हमेशा उनकी उपेक्षा की है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष सहित उप नेता विधायक दल की नियुक्तियों के बाद कांग्रेस में घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते रोज राजधानी

❑कांग्रेस पर लगाया अपनी उपेक्षा का आरोप

दून में कांग्रेस के कुछ असंतुष्ट विधायकों की बैठक करने की खबरें सामने आने के बाद दून से दिल्ली तक हंड़कंप मच गया। हालांकि पार्टी द्वारा इसका खण्डन किया गया है। ऐसे में कांग्रेस विधायक हरीश धामी के इस बयान के कई मायने निकाले जा रहे है। हरीश धामी का कहना है कि कांग्रेस ने हमेशा उनके साथ उपेक्षापूर्ण व्यवहार किया है। जबकि वह पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता रहे है। उनका कहना है कि 2022 के विधानसभा चुनावों में पहली बार कांग्रेस से जीते विधायक को उप नेता प्रतिपक्ष बनाकर कांग्रेस ने उनके सम्मान पर चोट पहुंचायी है। उन्होने कहा कि अगर क्षेत्र की जनता कहेगी तो वह सीएम पुष्कर सिंह धामी के लिए सीट छोड़ सकते है।

बता दें कि धारचुला विधानसभा सीट पर कांग्रेस में इस्तीफों का दौर शुरू हो गया है। नगर, ब्लाक अध्यक्षों सहित 40 से अधिक पदाधिकारियों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। बीते रोज तकरीबन 25 पदाधिकारियों ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंप कर अपनी नाराजगी जाहिर कर दी है। वहीं मुनस्यारी में भी 30 से अधिक पदाधिकारियों के इस्तीफे जिलाध्यक्ष को सौंप दिये गये है।

ईपीएफओ के हल्द्वानी व देहरादून कार्यालय में सीबीआई की छापेमारी

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में ईपीएफओ दफ्तर में गड़बड़ी की शिकायत पर सीबीआई ने आज हल्द्वानी और देहरादून कार्यालयों में छापेमारी की है। सीबीआई की टीमें दोनों दफ्तरों में दस्तावेजों की जांच कर रही है। सीबीआई की इस कार्यवाही से विभाग में हड़कंप मचा है।

जानकारी के अनुसार सीबीआई को लम्बे समय से ईपीएफओ देहरादून और हल्द्वानी को लेकर लगातार गड़बड़ी की शिकायत मिल रही थी। इस पर आज सीबीआई देहरादून ने पांच-पांच सदस्यीय दो टीम बनाकर देहरादून जीएमएस रोड और हल्द्वानी स्थित दफ्तर में छापेमारी को भेजी गयी।

सीबीआई की दोनों टीमें देहरादून और हल्द्वानी में दफ्तर खुलते ही अंदर छापेमारी में जुट गई। जानकारी के अनुसार हल्द्वानी में आज सीबीआई की टीम ने कर्मचारी भविष्य निधि के ऑफिस में पहुंच कर 2021-22 वित्तीय वर्ष के अभिलेखों का सर्वेक्षण किया। टीम के पहुंचने के बाद से ही कर्मचारियों में हड़कंप मचा हुआ है। कर्मचारी सारी रिपोर्ट सीबीआई की टीम को उपलब्ध करा रहे है। दोनों दफ्तर में टीमों द्वारा सर्वेक्षण किया जा रहा है। जिसकी फाइनल रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इसके बाद ही मामले में अगली कार्रवाई अमल में लायी जाएगी।

पीओके में गैंगरेप पीड़िता ने पीएम मोदी से मांगी मदद

मुजफ्फराबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की एक सामूहिक बलात्कार पीड़िता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद मांगी है। पिछले

सात वर्षों से न्याय के लिए लड़ रही पीड़िता सुरक्षा के लिहाज से भारत में आश्रय चाहती है। बलात्कार पीड़िता ने ये कहते हुए पीएम मोदी से मदद मांगी है कि उसे और उसके बच्चों को जीवन के लिए खतरा है। एक भावनात्मक वीडियो संदेश में, मारिया ताहिर ने कहा, मैं पिछले सात वर्षों से न्याय के लिए लड़ रही एक सामूहिक बलात्कार पीड़िता हूं। पीओजेके पुलिस, सरकारें और न्यायपालिका मुझे न्याय प्रदान करने में विफल रही हैं। पीड़िता ने आगे कहा, इस वीडियो के माध्यम से, मैं भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील कर रही हूं कि हमें भारत आने की अनुमति दें।उसने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के मुख्य न्यायाधीश सहित स्थानीय अधिकारियों को कई पत्र लिखे और अपमानजनक प्रतिक्रिया मिली कि वह एक विवाहित महिला है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कई बलात्कार पीड़ित और उनके परिवार सार्वजनिक रूप से अपराधियों का सामना करने के लिए आगे आने से डरते हैं क्योंकि वे डरते हैं कि उनके समुदाय द्वारा उन्हें बेदखल कर दिया जाएगा।

देश में बीते 24 घंटों में आए कोरोना के 1088 नए केस, संक्रमण से 26 लोगों की हुई मौत

नई दिल्ली । देश में लगातार कम हो रहे कोरोना महामारी के मामलों की खबर राहत देने वाली है। हालंकि कल के मुकाबले आज २६२ केस ज्यादा दर्ज किए गए हैं। पिछले राष्ट्रीय स्तर पर कोविड के नए मामलों में हो रही गिरावट के चलते देश में अब उपचाराधीन मामलों की संख्या घटकर १० हजार ८७० रह गई है।

वहीं कोरोना से रिकवर करने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी जारी है। देश में पिछले २४ घंटे में १ हजार ८८ केस दर्ज हुए हैं जिसके बाद संक्रमण के कुल मरीजों की संख्या ४,३०,३८,०१६ हो गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बुधवार

सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के १,०८८ नए मामले सामने आए हैं। वहीं, २६ और लोगों की संक्रमण से मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर ५,२१,७३६ पर पहुंच गई। वहीं पिछले २४ घंटे में १,०८१ लोग महामारी से ठीक हुई है जिसके बाद अब तक ठीक होने वालों की कुल संख्या ४,२५,०५,४१० हो गई है। आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण की दैनिक दर ०.२५ प्रतिशत और साप्ताहिक दर ०.२४ प्रतिशत है।

आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोविड-१६ के उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का ०.०३ प्रतिशत है, जबकि महामारी से स्वस्थ होने वालों की राष्ट्रीय दर ६८.७६ प्रतिशत है। आंकड़ों के मुताबिक, बीते २४ घंटों में १६ मरीज सार्स-कोव-२ वायरस से उबरने में कामयाब रहे हैं। देश में पिछले २४ घंटे में चार लाख २६ हजार ३२३ कोविड परीक्षण किए गए हैं। देश में अब तक कुल ७६.४६ करोड़ कोविड परीक्षण किए गए हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

यातायात व्यवस्था की प्रयोगशाला

राज्य गठन के बाद राजधानी की यातायात व्यवस्था को संभालना एक बड़ी चुनौती बन गई है। बीते एक दशक में इस यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए नित नए प्रयोग किए जाते रहे हैं। संकरी सड़कों को चौड़ा करने और चौराहों पर जाम से निपटने के लिए इनको कई-कई बार चौड़ा किया जा चुका है तथा अति व्यस्त और संकटग्रस्त क्षेत्रों में फ्लाईओवर बनाए जा चुके हैं। लेकिन हालात सुधरने की बजाय दिनों दिन खराब होते जा रहे हैं। समय की जरूरत को समझते हुए आउटर रिंग रोड बनाए जाने का भी कोई खास असर यातायात की व्यवस्था पर होता नहीं दिख रहा है। इस समस्या पर अगर गौर किया जाए तो इसके पीछे सबसे अहम कारण अनियोजित विकास ही है। बात चाहे सड़कों के चौड़ीकरण की हो या फिर फुटओवर ब्रिज व फ्लाईओवर बनाने की। जहां जैसा जिस विभाग और अधिकारियों की समझ में आया वह अपने नए प्रयोग करने में लगा रहता है। तहसील चौक पर बना फुट ओवरब्रिज और बल्लीवाला चौक पर बना फ्लाईओवर इसका उदाहरण है। तहसील चौक पर बने फुटओवर ब्रिज पर आना जाना किसी को भी पसंद नहीं है। दिन भर में 10 लोग भी इसकी सीढ़ियां नहीं चढ़ते हैं। जबकि पैदल रोड पार करने वाले 10 मिनट में सैकड़ों लोग होते हैं। बल्लीवाला चौक पर बना फ्लाईओवर तो मौत के फ्लाईओवर के नाम से मशहूर हो गया है। अब तक कई लोग इस फ्लाईओवर पर दुर्घटना का शिकार होकर अपनी जान गंवा चुके हैं। इस फ्लाईओवर को फोर लेन बनाया जाना प्रस्तावित था लेकिन सरकारी अमले की कारस्तानी देखिए कि इसे टू-लेन ही बनाकर तैयार कर दिया गया। इसका डिजाइन इतना दोषपूर्ण है कि इससे गुजरना मौत को दावत देना है। उस पर अधिकारियों की कार्यशैली देखिए बिना सोचे समझे आधा किलोमीटर के दायरे में इस ब्रिज पर कई जगह स्पीड ब्रेकर बना दिए गए। जिन्हे बाद में हटाना पड़ा। अब लोग इस फ्लाईओवर की बजाय नीचे बनी सड़क से ही गुजर रहे हैं और जाम का झाम भी जेल रहे है। संकरी सड़कों को टू वे बनाने, कहीं कट बंद करने तो कहीं कट खोलने से लेकर ना जाने कितने प्रयोग दून की इस बदहाल यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए किए जा चुके हैं। सड़कों पर फुटपाथ साइड पार्किंग का भी प्रयोग ऐसा ही एक तुगलगी प्रयोग है। जिसने यातायात सुधारने की बजाय और अधिक खराब कर दिया है। दून को स्मार्ट सिटी बनाया जा रहा है उसकी यातायात व्यवस्था पर अगर गौर किया जाए तो वह एक दोयम दर्जे के शहर से भी बदतर है। पहले कभी महीनों में कोई इक्का-दुक्का सड़क दुर्घटना सड़क पर होती थी वहीं अब तकरीबन आए दिन सड़कों पर सड़क दुर्घटनाएं हो रही है और जाम का तो ऐसा है कि लोग घंटों फंसे कसमसाते रहते हैं। आबादी व वाहनों की संख्या दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ रही है ऐसी स्थिति में आने वाले समय में इस शहर का हाल क्या होगा भगवान ही जान सकता है।

शिक्षा के नाम पर होने वाले अपराधों पर लगे रोक

संवाददाता

देहरादून। देश ही नहीं विदेशों में भी देहरादून का नाम शिक्षा के मामले में जाना जाता है तथा यहां पर कई नामी स्कूल हैं जहां पर विदेशों से बच्चे पढने आते हैं। हर मां बाप का सपना होता है कि उनके बच्चे को अच्छी शिक्षा मिले तथा उनका बच्चा पढ लिखकर उनका नाम रोशन करें। जिसके लिए वह अच्छे से अच्छा स्कूल व कालेज तलाशते है और उनकी तलाश दून तक उनको लेकर आती है। पिछले कुछ वर्षो से यह बात सामने आ रही है कि कुछ लोग लालच के चलते शिक्षा जैसे पवित्र पेशे को भी बदनाम करने से पीछे न हीं हट रहे है। ऐसे मामले हाल ही में सामने आये जिसमें अच्छी शिक्षा देने के नाम पर अभिभावकों के साथ ठगी जैसी घटना को अंजाम दिया गया तो वहीं एक स्कूल में नाबालिग के साथ बलात्कार जैसी घटना को स्कूल प्रशासन के द्वारा छुपाया गया। क्योंकि उनको डर था कि मामला खुलने से उनके स्कूल की बदनामी होगी और बाद में ऐसा ही कुछ हुआ भी तथा स्कूल प्रशासन के खिलाफ कार्यवाही की गयी। ऐसे मामलों से शिक्षा जैसा पवित्र पेशा बदनाम होता जा रहा है। यहां पर बाहरी राज्यों से आने वाले लोग ऐसी घटनाओ को अंजाम दे रहे है और बदनाम सब होते हैं। अभी हाल ही में छत्तीसगढ की एक महिला ने एक नीजि कालेज के प्रबंधकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया कि उनके बेटे के एडमिशन के समय कालेज प्रशासन ने कई प्रकार के वादे किये थे तथा उनको बताया गया था कि उनके कालेज में सभी प्रकार की व्यवस्थाएं है जोकि एक छात्र को चाहिए होती है। लेकिन जब उन्होंने फीस जमा कर दी तब बाद में पता चला कि उक्त कालेज ही फर्जी है तथा उसके पास अपना तो कुछ है कि नही? ऐसे ही म ामलों के कारण दून की छवि खराब हो रही है। जहां अभिभावक अपने बच्चे को दून में शिक्षा दिलाने के सपने देखते हैं तो वहीं ऐसी घटनाएं उनको भी सोचने के लिए मजबूर कर देती है और उनको इस बारे में विचार करने के लिए मजबूर होना पडता है। उत्तराखण्ड शासन व प्रशासन को अब इन सभी बातों पर ध्यान देना होगा कि यहां पर खुलने वाले नीजि कालेजों को लाइसेंस देने से पहले मानक तय किये जायें तथा इसका कडाई से पालन भी कराया जाये। यह जिम्मेदार शासन व सरकार की बन जाती है कि कैसे शिक्षा के नाम पर होने वाले अपराधों पर नियंत्रण लगाया जाये तथा बाहरी प्रदेशों से आने वाले अभिभावकों के साथ होने वाली ठगी की घटनाओं पर रोक लगायी जा सके।

राम मर्यादा पुरुषोत्तम ही नहीं परमात्मा भी हैं!

डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

भगवान का नाम लेना हो तो राम शब्द का उच्चारण करना हम शुरू कर देते है ।यही वह राम शब्द है जिसके उच्चारण मात्र से मन मे शांति, सुख , सन्तुष्टि का बोध होता है।ऐसा किसी अन्य शब्द में नही है।क्योंकि राम केवल दशरथनन्दन श्री राम ही नही है अपितु राम उस परमात्मा का नाम भी है, जिनकी साधना स्वयं दशरथनन्दन यानि रामचंद्र जी भी करते है।यानि राम परमसत्ता है तो एक आदर्श का प्रतिरूप भी।तभी तो राम हर किसी के रोम रोम में बसा है।वह भी आज से ही नही,बल्कि युगों युगों से।सबुरी राममय हुई तो राम, सबुरी के हो गए और सबुरी के झूठे बेर तक खा लिए। आज सबुरी जैसी आस्था तो कम ही देखने को मिलती है। हालांकि राम का मंदिर बने यह उत्साह हर उस व्यक्ति में है जिसके घट में राम है। राम मंदिर मुद्दा कानून की चौखट से होते हुए कानून की ही बदौलत निर्माण के लक्ष्य तक आ गया है।मंदिर जितना बड़ा और भव्य होगा उतना ही राम के भक्तो में हर्ष की अनुभूति होगी।लेकिन आवश्यक है कि हम राम को आत्मसात भी करे।राम मर्यादा पुरुषोत्तम है तो हम भी राम का आदर्श स्थापित करे।राम के उच्च चरित्र को दर्शाती रामायण हिंदू धर्म की एक प्रमुख आध्यात्मिक धरोहर है परंतु रामायण को बार बार पढ़ने के बावजूद भी उसमें लिखे आध्यात्मिक मूल्यों की धारणा नहीं हो पा रही है। हम राम के नाम रूप पर तो बहस करते रहते हैं लेकिन राम को अपनाने की कभी कौशिश नही करते। रामायण को जीवन मूल्यों के रूप में समझने की आवश्यकता हैं। ताकि रामायण में लिखी हर बात आज के समय में प्रासंगिक सार्थक सिद्ध हो सके ।

रामायण महर्षि बाल्मीकी के द्वारा लिखित एक आध्यात्मिक ग्रन्थ है । महर्षि बाल्मीकी ने आध्यात्मिक जागृति व ईश्वरीय अनुभूति के द्वारा दिव्य व महान ग्रन्थ रामायण को रचा था, जिससे वे स्वयं भी महान हो गए।वह व्यक्ति दूसरों का शुभचिंतक हो जाता है,जो स्वयं की अनुभूतियों को समाज कल्याण हेतु प्रयोग कर लोगों में एक नई सोच फैलाने का कार्य करता है। स्वयं का जीवन परिवर्तन होने पर महर्षि बाल्मीकी ने समाज में आध्यात्मिक जागृति लाने का अभियान चलाया । मोह माया में फँसें लोगों को आध्यात्मिक ज्ञान रोचक लग सके ,इसके लिए उन्होंने आध्यात्मिक ज्ञान को एक रोचक कहानी के रूप में प्रस्तुत किया। जिसमें मुख्य नायक व नायिका राम और सीता को रखा गया ।उसी प्रकार महाकवि तुलसी दास ने राम चरित मानस के माध्यम से राम को आदर्श व मर्यादा का पर्याय सिद्ध किया। महर्षि बाल्मीकी ने त्रेता युग के बाद समाज में आध्यात्मिक क्रांति लाने हेतु राम व सीता का नाम व चरित्र समाज के सामने प्रस्तुत किया। तभी तो वे संसार के प्रेरक बन गए । हम रामायण के सभी पात्रों को उसी तरह से स्वीकार करते हैं जैसे रामायण को पढ़ने पर जान पडता है ।परन्तु इस तरह से तो रामायण में दर्शाए गए पूर्णत: अहिंसक पात्र भी हिंसक नज़र आते हैं जैसे राम के द्वारा रावण का वध करना, भगवान की परिभाषा को खंडित करता है ,राम यदि भगवान हैं तो वह हिंसक हो ही नहीं सकते और राम यदि सर्वशक्तिमान ईश्वर है तो उनकी सीता को एक दैत्य रावण कैसे उठाकर ले जा सकता है ? इसलिए कहीं न कहीं रामायण को किसी और परिपेक्ष में देखने की आवश्यकता है। रामायण का वास्तविक़ अर्थ जानने के लिए रामायण के विभिन्न पात्रों को निम्नलिखित रूप में समझ कर पढ़ें तो आपको उसमें लिखा एक एक आध्यात्मिक बिंदु समझ आ आएगा । राम वास्तव में परमात्मा ही है जो संगम युग में धरा पर अवतरित हो कर अपनी बिछड़ी हुई सीता यानि सतयुगी आत्मा को रावण यानि विकारों के चंगुल से छुड़ाने आते है ।सीता, हर वह आत्मा जो वास्तव में पवित्र है परंतु आज रावण के चंगुल में फँसी होने के कारण संताप झेल रही है । रावण ,पतित व विकार युक्त सोच व धारणा ही रावण है जिसमें फँसी हर आत्मा आज विकर्मों के बोझ तले दबती जा रही है । पाँच मुख्य विकार पुरुष के व पाँच विकार स्त्री के ही रावण के दस शीश हैं ।हनुमान , वास्तव में धरा पर अवतरित हुए परमात्मा को सर्वप्रथम पहचानने वाली आत्मा ही हनुमान हैं परंतु हर वह आत्मा जो ईश्वर को पहचान दूसरी आत्माओं (सीता) को धरा पर आए ईश्वर (राम) का संदेश देने के निमित बनती है, वह भी हनुमान की तरह ही है ।

वानर सेना ,साधारण दिखने वाली मनुष्य आत्माएँ ईश्वर (राम) को पहचान कर, संस्कार परिवर्तन द्वारा पूरानी दुनियाँ या रावण राज्य (पतित सोच पर आधारित दुनिया) को समाप्त करने में राम का साथ देने वाली संसार की 33 करोड़ आत्माएँ ही वानर सेना है ।

लंका ,पुरानी पतित दुनियाँ जहाँ हर कार्य देहभान में किया जाता है ,वही रावण नगरी लंका है ।आज हमें इसी सत्यता को आत्मसात कर विकर्मों को त्याग कर राम की तरह पवित्र बनना है,तभी रामयुग यानि सतयुग वापस आ सकता है।जिसके लिए हम सबको अभी से आध्यात्मिक तैयारी करने और राम मार्ग पर चलने की आवश्यकता है।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

सं पूषन्विदुषा नय यो अञ्जसानुशासति।
य एवेदमिति ब्रवत्।।

(ऋग्वेद ६-५४-१)

हे हमारा पोषण करने वाले स्वामी ! हमें सत्य विद्या के ज्ञानी विद्वानों की संगत प्रदान करो। जो हमें निश्चितता से बता सके कि क्या क्या है और क्या नहीं है।

O Lord of Nurturing ! Provide us with the company of the learned scholars of true knowledge. Who can tell us, with certainty, which is what and what is not.

(Rig Veda 6-54-1)

दो नावों की सवारी

जब टकराव बेहद तीखा हो गया हो, उस समय क्या दो नावों की सवारी लंबे समय तक की जा सकती है? अमेरिकी अधिकारी दलीप सिंह के कहने का अंदाज भले आपत्तिजनक रहा हो, लेकिन ये बात सच है कि रूस आज की परिस्थितियों में चीन विरोधी कोई रुख नहीं ले सकता है।

भारत यात्रा पर आए वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी दलीप सिंह ने चेतावनी दी थी कि रूस पर अमेरिकी तरफ से लगाए प्रतिबंधों को नाकाम करने वाले उपाय अगर भारत ने अपनाए, तो इसके खराब नतीजे हो सकते हैँ। लेकिन दलीप सिंह की यात्रा के एक दिन ही बाद नई दिल्ली आए रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भारतीय नेताओं से अपनी बातचीत के बाद सार्वजनिक रूप से कहा कि पश्चिमी प्रतिबंधों से बचते हुए अपना कारोबार जारी रखने के लिए भारत और रूस जो भी संभव तरीके हों, उन्हें अपनाएंगे। भारत सरकार ने ना तो दलीप सिंह के बयान पर कोई औपचारिक प्रतिक्रिया दी, ना ही लावरोव के एलान पर। दरअसल, कूटनीति के जानकार इन दिनों यह देख कर हैरत में हैं कि भारत आए विदेशी नेताओं और अधिकारियों को भारत सरकार यहां खुल कर सार्वजनिक बयान देने के अवसर दे रही है। नई दिल्ली में रहते हुए किसी तीसरे देश के खिलाफ भी बयान दे रहे हैँ। जबकि अतीत मे चलन यह था कि भारत अपनी मंच का किसी दूसरे देश को इस तरह इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं देता था।

बहरहाल, लावरोप के बयान के साथ ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ये टिप्पणी भी छपी कि अगर कहीं से सस्ता तेल खरीदने से भारतीय जनता को राहत मिलती है, तो हमारी सरकार ऐसा क्यों नहीं करेगी? एक टीवी इंटरव्यू के दौरान की गई इस टिप्पणी को लावरोव के बयान की पुष्टि के रूप में देखा जा सकता है। तो कुल मिला कर भारत उन देशों में शामिल दिख रहा है, जो पश्चिमी वित्तीय प्रतिबंधों को अनदेखी करते हुए रूस के साथ सामान्य कारोबार जारी रखने के प्रयास में जुटे हुए हैँ। मगर इसके साथ ही भारत अमेरिका और अन्य देशों के गुड बुक में भी रहना चाहता है। अगर इनसे भारत के हित सधते हों, तो इन दोनों ही बातों में कोई बुराई नहीं है। लेकिन प्रश्न है कि जब टकराव बेहद तीखा हो गया हो, उस समय क्या दो नावों की सवारी लंबे समय तक की जा सकती है? दलीप सिंह के कहने का अंदाज भले आपत्तिजनक रहा हो, लेकिन ये बात सच है कि रूस आज की परिस्थितियों में चीन विरोधी कोई रुख नहीं ले सकता है। ऐसे में अगर भारत नए बन रहे समीकरण में चीन के साथ रिश्ते मजबूत करे, तब तो बात दीगर है। वरना, आधी-अधूरी रणनीति आगे चल कर नुकसान का सौदा साबित हो सकती है। (आरएनएस)

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में चिपको आंदोलन की सूत्रधार स्व. गौरा देवी के पुत्र चंद्र सिंह राणा ने भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उन्हें सम्मानित भी किया। स्व. गौरा देवी के परिवारजनों को सरकार द्वारा 5 लाख 1 रूपये की सम्मान राशि दी जा रही है। इस अवसर पर स्व. गौरा देवी के सुपौत्र सोहन सिंह राणा भी मौजूद थे।

डीईओ ने जसपुर एबीईओ का मार्च का वेतन रोका

काशीपुर (आरएनएस)। एकल स्कूलों में एबीईओ की तरफ से शिक्षकों की लगाई गई व्यवस्था पर डीईओ ने रोक लगा दी है। साथ ही एबीईओ के आदेश को अनियमितता मानते हुए उनका मार्च के वेतन पर भी रोक लगाई है। पिछले दिनों एबीईओ आशाराम ने एकल विद्यालयों में शिक्षकों की दिक्कतों को देखते हुए कुछ शिक्षकों की वैकल्पिक व्यवस्था के तहत ड्यूटी लगाई थी। इसका कुछ शिक्षकों ने विरोध कर डीईओ को पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की थी। डीईओ एके सिंह ने इस पर कार्रवाई करते हुए शिक्षकों की व्यवस्था पर रोक लगाकर एबीईओ को पत्र भेजकर इसे अनियमितता माना है। डीईओ ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों के अनुमोदन के बिना किसी भी विद्यालय में शिक्षक की व्यवस्था लगाना नियम विरुद्ध है। निर्देशित किया कि सभी संबद्ध सहायक शिक्षकों को उनके मूल विद्यालय के लिए कार्य मुक्त करें। मूल विद्यालय में कार्यभार ग्रहण करने पर ही उनका मार्च का वेतन आहरित किया जाए।

अब बांज के पत्तों में होगा रेशम कीटपालन

बागेश्वर (आरएनएस)। ग्रामीणों को मणिपुरी बांज और स्थानीय बांज के पेड़ों में टसर रेशम कीटपालन का कार्य कराया जा रहा है। यह कार्यक्रम ओक तसर रेशम कीट पालन के तहत चल रहा हे। रानीखेत की संस्थान किसानों को प्रशिक्षित कर रही है। चौड़ा, हरकोट, खल्झूनी, मिलकिला, तिमलाबगड़, फरसाली वल्ली, मल्लादेश, सिमगड़ी, लाथी, गुलेर आदि गांवों में मणिपुरी बांज का पौधारोण किया गया है। भविष्य में बांज के पत्तों में कीटपालन का कार्य किया जाएगा। वर्तमान में किसान स्थानीय बाज के पत्तों पर कीट पालन कर रहे हैं। उच्च हिमालय क्षेत्रों में यह मई–जून तक कीट पालन का कार्य होगा। किसानों ने बताया कि वह लगभग ४० दिन में बांज के पत्तों पर कोकून तैयार कर रहे हैं। परियोजना का मुख्य उद्देश्य सीमांत गांवों में पलायन रोकने और स्वरोजगार पैदा करना है। संजीवनी के संतोष जोशी ने का कि किसानों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। वह कीट पालन से बेहतर आमदनी कर सकेंगे। इस दौरान किसान प्रेम सिंह, गंगा देवी, महेश सिंह, राजेंद्र सिंह, हीरा सिंह, चामू सिंह, बसंती देवी, प्रताप सिंह, चुनली देवी, जसपाल राणा, विनोद सिंह के अलावा प्रशिक्षक विनोद घुघत्याल, दीवान सिंह कपकोटी आदि मौजूद थे।

काशीपुर में बसों की वजह से लगा जाम

काशीपुर (आरएनएस)। मंगलवार सुबह एमपी चौक के पास फाटक पर दो रोडवेज की बसों के कारण जाम लग गया। दरअसल, रोडवेज बसों को आरओबी के निर्माण के चलते द्रोणासागर रोड से होकर बाजपुर रोड पर लाया जाता है। सुबह इसी दौरान एक बस डिपो से निकल रही थी और दूसरी डिपो आ रही थी। ओआरबी के पहले पिलर के सामने बस आमने सामने हो गई। इससे फाटक पार करने वाली गाड़ियों की आवाजाही बंद हो गई। लगभग १५ मिनट बाद बस चालकों ने बस को आगे पीछे कर बसों को निकाला। तब तक गाड़ियों की लंबी लाइन लग गई। इसी बीच रोडवेज परिसर में खड़ी तीन बसों को निकलने में देरी हो गई।

शराब व बियर की पेटियों के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब व बियर की पेटियों के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार को सीज कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला थाना पुलिस ने चैकिंग के दौरान छिददर वाला के पास एक कार को रूकने का इशारा किया तो कार चालक पुलिस को देख कार को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने कार से एक पेटी शराब व चार पेटी बियर की बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम अनुज सिंह पुत्र करण सिंह निवासी नवाबवाला छिददरवाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

चोरी के दो दुपहिया वाहनों सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। वाहन चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक शातिर को चोरी किए गए दो वाहनों सहित गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते दिनों थाना ज्वालापुर में एक व्यक्ति द्वारा अपनी बाइक चोरी किए जाने के सम्बन्ध में मुकदमा दर्ज कराया गया था। मामले की जांच में जुटी पुलिस टीम को बीते रोज सूचना मिली की उक्त चोरी में शामिल चोर को क्षेत्र में देखा गया है तथा वह चोरी की गई मोटरसाइकिल सहित रानीपुर झाल की तरफ से आ रहा है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान पर चेकिंग अभियान चला दिया इस दौरान पुलिस को नहर पटरी के समीप बाइक सवार एक संदिग्ध आता हुआ दिखाई दिया पुलिस ने जब उसे रोकने का प्रयास किया तो वह बाइक मोड़ कर भागने लगा। जिस पर उसे घेरकर दबोचा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम फरमान पुत्र निसार निवासी कुंआ ज्वालापुर बताया। साथ ही उक्त बाइक चोरी का होना कबूल करते हुए बताया कि उसने कुछ समय पहले एक अन्य स्कूटी भी आर्य नगर चौक से चोरी की थी जिसे आरोपी की निशानदेही पर बरामद कर लिया गया है। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

पर्स चोरी का खुलासा, तीन गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। टैम्पू में हुए पर्स चोरी(हजारों की नगदी,आधार कार्ड, गोल्डन कार्ड, आईडी कार्ड) का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन चोरों को चुराये गये माल व चोरी में प्रयुक्त टैम्पू सहित गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 6 अप्रैल को महिपाल पुत्र बुद्ध सिंह निवासी लक्ष्मी बिहार कालोनी बहादराबाद द्वारा थाना बहादराबाद में तहरीर देकर बताया गया था कि जब वह लक्ष्मी बिहार कालोनी से बहादराबाद के लिए टैम्पू से आ रहे थे तो अज्ञात चोरो द्वारा टैम्पू में उनका पर्स चोरी कर लिया गया है। बताया कि पर्स में नकद पैसे व आधार कार्ड,गोल्डन कार्ड,आईडी कार्ड था। पर्स चोरी होने की घटना की तहरीर के आधार पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम ने आज सुबह एक सूचना के तहत उक्त चोरी में शामिल तीन लोगों को चोरी किये गये पर्स , नकदी व घटना में प्रयुक्त टैम्पू सहित गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में उन्होने अपना नाम इखलाख पुत्र इकराम निवासी ग्राम हसनपुर सहारनपुर, विजय पुत्र सत्यपाल निवासी नवीन नगर सहारनपुर व रशीद पुत्र कल्लू राम निवासी ग्राम हसनपुर जिला सहारनपुर बताया। पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

अनाड़ी वाहन चालकों का क्या ईलाज है साहेब!

संवाददाता

देहरादून। सड़कों पर अतिक्रमण हटाकर व अन्य उपाय करके यातायात को सुचारू करने का प्लान तो सही है लेकिन सडकों पर जो अनाडी वाहन चालक उतरते हैं और जिनके कारण यातायात तो बाधित होता ही है वहीं दुर्घटनाओं को भी वह दावत देते हैं ऐसे वाहन चालको का क्या ईलाज किया जायेगा इसपर कोई रणनीति नहीं बनायी गयी। जबकि सबसे बड़ी समस्या यही अनाडी वाहन चालक पैदा करते हैं।

राजधानी की यातायात व्यवस्था को सुचारू करने व जनता को जाम से राहत पहुंचाना यह अधिकारियों के सामने चुनौती बनता जा रहा है। दून में जो भी पुलिस अधिकारी पद सम्भालता है तो उसके सामने अपराध से ज्यादा दून की यातायात व्यवस्था चुनौती के रूप में खडी होती है और वह इसके लिए कई योजनाएं बनाता है लेकिन समस्या जस की तस खडी रहती है। अब तो प्रदेश के पुलिस मुखिया भी इस समस्या के लिए मैदान में आ गये हैं तथा उन्होंने राजधानी के पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर कई दिशा निर्देश अधिकारियों को दिये है। जैसे बॉटल नेक पर पुलिस अधिकारी डयूटी देंगे तथा नौ पर्किंग जोन में खडे वाहनों पर कार्यवाही की जायेगी तथा फुटपाथ को खाली कराकर पैदल चलने वालों के लिए जगह बनायी जायेगी। ऐसे कई निर्णय लिये गये हैं लेकिन अनाडी वाहन चालकों पर क्या कार्रवाही होगी इस पर कोई निर्णय या फिर निर्देश नहीं दिये गये हैं।

अनाडी का मतलब जो वाहन चालक बीच सडक पर वाहन खडे करके सोचते हैं कि उनको जाना किधर है। या फिर जिसको राईट में जाना होता है वह लैफ्ट में खडे हो जाते हैं तथा हरी लाईट होते ही विपरीत दिशा में वाहन मोड देते हैं जिससे पीछे से आने वाला यातायात बाधित हो जाता है। या फिर लैफ्ट में जाने वाला अनाडी वाहन चालक राईट में खडा हो जाता है तथा वह फिर विपरीत दिशा में वाहन चलाकर यातायात को बाधित करता है और चौराहे पर खडा यातायात का सिपाही उसको ऐसा करते हुए देखता है और कहता कुछ नहीं है। इनपर क्या कार्रवाही हो ऐसा कुछ बैठक में कोई निर्णय नहीं लिया गया। साहेब यहां पर दिल्ली की तरह नियम लागू करने होंगे कि जो गलत दिशा में खडा है वह आगे बढेगा नहीं तो चालान के साथ ही वाहन सीज भी किया जा सकता है। जो गलत दिशा में खडा हुआ वह उसकी जिम्मेदारी बन जायेगी तथा उसको आगे जाकर चाहे कितना भी लम्बा रास्ता तय करना पडे करके वापस आयेगा ना कि गलत दिशा में वाहन चलाकर यातायात को बाधित करेगा। ऐसे नियम यहां भी सख्ती से लागू किये जायें तभी यहां का यातायात सुचारू चल सकेगा। चौराहों पर पुलिस का अमला खडा करने से दून का यातायात सुचारू नहीं हो सकता है। फिर चाहे जितनी पुलिस लगा लो जब तक अनाडी वाहन चालकों पर लगाम नहीं लगेगी तब तक यह ऐसा ही चलता रहेगा।

रसोई की दीवारों पर जमी चिकनाई को इन आसान तरीकों से करें साफ़

घर की रसोई में खाना पकाया जाता हैं और इस दौरान धुआं और तेल के छींटे तो उठते ही हैं। धुएं को निकालने के लिए किचन में एग्जॉस्ट फैन और चिमनी का इंतजाम किया जाता हैं। लेकिन देखा जाता हैं कि इसके बावजूद भी तेल के छींटे उठते हैं और ये दीवारों पर जमने लगते हैं जिसकी वजह से दीवारों पर चिकनाई जमा हो जाती हैं। यह चिकनाई जब बढ़ती जाती हैं तो इसकी सफाई करना बहुत मुश्किल हो जाता हैं। ऐसे में आज हम आपके लिए कुछ ऐसे उपाय लेकर आए हैं जिनकी मदद से आपके रसोई की दीवारों पर जमी चिकनाई को आसानी से दूर किया जा सकता हैं। तो आइये जानते हैं इन उपायों के बारे में...

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा कोई भी जिद्दी दाग निकालने के लिए सबसे आसान उपाय है। किचन में से तेल के दाग हटाने के लिए एक कप गर्म पानी लें और उसमें एक चम्मच बेकिंग सोडा डालें। फिर किसी कपड़े या स्पॉन्ज लेकर दाग वाली जगह पर लगाएं इससे दाग आसानी से निकल जाएगा।

नमक

दाग को साफ करने के लिए नमक भी सबसे आसान तरीका है जिससे किसी भी पुराने दाग को साफ करने के लिए अपनाया जाा सकता है। दाग वाली जगह पर नमक लगा दें । थोड़ी देर के बाद उस जगह पर विनेगर स्प्रे लगा दें । कुछ देर के बाद कपड़े से साफ कर दें । दाग आसनी से साफ हो जाएगा।

विनेगर

हर घर के किचन में विनेगर बहुत ही आसानी से मिलने वाला लिक्विड है। इसका इस्तेमाल बेहद आसान है। एक बर्तन में विनेगर लें। एक साफ कपड़ा या फिर एक स्पॉन्ज उसमें अच्छे से डूबा कर निचोड़ लें। अब इस कपड़े या स्पॉन्ज से दाग लगी दीवार, स्विच बोर्ड आदि साफ करें। किचन की दीवार पर लगे दाग आसानी से छूट जाएंगे। अब एक साफ कपड़े से दीवार पोंछ दें। विनेगर आपके घर की दीवार में लगे बैक्टीरिया को नष्ट कर सकता है।

नींबू का रस और सोडे का पानी

किचन में लगे जिद्दी दागों को साफ करने के लिए नींबू काटकर चिकनाई वाली जगह पर रगड़ के साफ करें। इसके बाद सोडे वाले पानी में कपड़ा डूबा कर उस जगह को फिर से साफ करें और फिर पानी से धो दें। दाग पूरी तरह से हट जाएंगे।

मैचिंग वॉल पेंट

दीवार पर दाग लगे है उस दीवार को आप मैचिंग वॉल पेंट लगाकर दाग धब्बे छिपा सकते है इसके लिए आपको बहुत ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पड़ेगी और आसानी से आप दीवारों पर लगे दागों से छुटकारा पा सकते है।

आरआरआर का बॉक्स ऑफिस पर धमाका, 900 करोड़ पार हुई फिल्म की कमाई

एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर ने बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर दिया है। 450 करोड़ के बजट में बनी फिल्म ने वर्ल्डवाइड 900 करोड़ का कारोबार कर लिया है। फिल्म के हिंदी वर्जन ने अपने दूसरे वीकेंड में ताबड़तोड़ 51.25 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। रविवार को 10वें दिन इस फिल्म ने हिंदी वर्जन से 20.75 करोड़ रुपये का बिजनस किया है। जबकि शनिवार को 17.25 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ था। 10वें दिन की कमाई के साथ ही आरआरआर ने हिंदी से कुल 183.21 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है।

फिल्म ट्रेड एनालिस्ट मनोबल विजयबालन के मुताबिक, आरआरआर ने वर्ल्डवाइड 901.46 करोड़ रुपये की कमाई भी कर ली है। इस तरह इस फिल्म ने रजनीकांत और अक्षय कुमार की फिल्म 2.0 की लाइफटाइम कमाई को भी पीछे छोड़ दिया है। रजनीकांत और अक्षय कुमार की साइंटिफिक फिक्शन फिल्म 2.0 ने बॉक्स ऑफिस पर वर्ल्डवाइड 800 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।

आरआरआर जिस रफ्तार से आगे बढ़ रही है उससे यह आसानी से 250 करोड़ के आंकड़े को पार कर लेगी। फिल्म के पास कमाई के लिए अभी 10-11 दिन का वक्त और है। ऐसा इसलिए कि 13 अप्रैल को जहां थलपति विजय की पैन इंडिया फिल्म बीस्ट रिलीज हो रही है, वहीं 14 अप्रैल को केजीएफ 2 और शाहिद कपूर की जर्सी रिलीज हो रही है। कुल मिलाकर आरआरआर के पास खुलकर कमाई करने के लिए तीसरा हफ्ता भी है। देखना दिलचस्प होगा कि 25 मार्च को रिलीज यह पीरियड ड्रामा फिल्म आगे और कितने रेकॉर्ड अपने नाम करती है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

इन तरीकों से करें अपने कार की सफाई, लगेगी एकदम नई जैसी!

हर इंसान अपनी मेहनत के पैसे से अपनी पसंद की गाड़ी खरीदता हैं और चाहता हैं कि वह हमेशा नई जैसी चमचमाती हुई रहे। इसके लिए वह अपनी गाड़ी की हमेशा साफाई करता रहता हैं। लेकिन कई बार ऐसे रास्ते पर निकलना पड़ता हैं जहां गाड़ी की हालत ज्यादा खराब हो जाती हैं। ऐसे में लोग सर्विसिंग करवाने से कतराते हैं जो महंगा पड़ जाता हैं। ऐसे में आज हम आपके लिए कुछ ऐसे तरीके लेकर आए हैं जिनकी मदद से आप आसानी से बिना खर्चे के ही गाड़ी की अच्छे से सफाई कर सकते हैं और इसके बाद गाड़ी नई जैसी चमचमाती दिखने लगेगी। तो आइये जानते हैं इन टिप्स के बारे में...

कैरोसीन से कीचड़ और जंग से हो सुरक्षा, चमक भी रहे बरकरार

एक कप कैरोसीन को तीन गैलन पानी के साथ बाल्टी में डालें और इस मिश्रण में स्पंज भिगोकर कार की सफाई करें। इससे पहले आपको कार पानी से भिगोना या साफ करना जरुरी नहीं है। कैरोसीन के सॉल्यूशन से गाड़ी साफ करने पर बारिश में कीचड़ या जंग लगने से गाड़ी खराब नहीं होगी।

हेयर कंडीशनर

अपनी कार को धोते समय हेयर कंडीशनर का इस्तेमाल करें। आप पाएंगे, कि कार बिल्कुल ऐसी चमक उठेगी, जैसे कि नए-नए में उसका वैक्स लुक दिखता है। इतना ही नहीं, उसकी सतह पर पानी भी नहीं टिकेगा यानि कि रिपल रेन सर्फेस।

सॉफ्ट ड्रिंक से हटाएं गंदगी

जब कभी लंबी दूरी में गाड़ी इस्तेमाल होती है तो उसकी विंड शील्ड्स को साफ करने में काफी मेहनत करनी पड़ती है। साथ ही गाड़ी पर डस्ट के कारण लकीरें धारियां और दाग-धब्बे आ जाते है। इसे साफ करने के लिए आसान तरीका है कि इन पर सॉफ्ट ड्रिंक कोला डाल दिया जाए। ?सा करते समय बस ये ध्यान रखें, कि हुड प्वाइंट को सुरक्षित रखने के लिए विंड शील्ड के नीचे एक मोटा कपड़ा या तौलिया लगा दें। कोला में उठनेवाले बुलबुलों से जमी हुई डस्ट या मिट्टी की पर्त साफ हो जाएगी। बस अंत में कोला डालने के बाद उसे पानी से अच्छी तरह साफ कर लें अन्यथा बाद में उसकी चिपचिपाहट से गाड़ी पर फिर डस्ट या गंदगी चिपक सकती है।

अपनी गाड़ी की हेडलाइट्स की पॉलिश के लिए विंडो क्लीनर का इस्तेमाल करें और पुराने लेकिन नरम मोजे से थोड़ा रगड़कर साफ करें। फिर देखिए, हेडलाइट्स कैसे चमक उठेंगी। आप चाहें, तो हेडलाइट्स या गाड़ी के शीशे चमकाने में बेबी वाइप्स भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

बेकिंग-सोडा

कार क्लीनर-एक गैलन साइज का बर्तन लेकर उसमें एक चौथाई तक बेकिंग-सोडा डालें, इसमें एक चौथाई कप डिशवाशिंग लिक्विड और बर्तन को पूरा ऊपर तक पानी से भर लें। एक प्लास्टिक की बोतल में इस मिश्रण को डालें और अच्छी तरह मिला लें। जब भी कार को धोना हो, इस बोतल को हिलाएं और इसमें से मिश्रण 1 कप निकालें और 2 गैलन पानी के स्तर वाली बाल्टी में निकाल लें। अब इस बाल्टी को ऊपर तक हल्के गर्म पानी से भर लें और पानी को अच्छी तरह हिला लें। आपकी गाड़ी की सफाई के लिए घर का सस्ता और अच्छी क्लीनिंग सॉल्यूशन तैयार है।

वोदका से कांच की सफाई

जब आपके विंडशील्ड वाशर रेसर्वेयर में लिक्विड खत्म हो जाता है, तो आप इसे वोदका यानि शराब से खुद ही बना सकते है। एक ढक्कन वाले जग में 4 कप पानी और 2 चम्मच तरल डिटर्जेंट के साथ 3 कप वोदका (जो सबसे सस्ती आपको मिल जाए) को मिला ले। जग को बंद कर उसे अच्छी तरह हिला लें और ज़रूरत के हिसाब से रेसर्वेयर में भर लें।

शब्द सामर्थ्य - 93

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

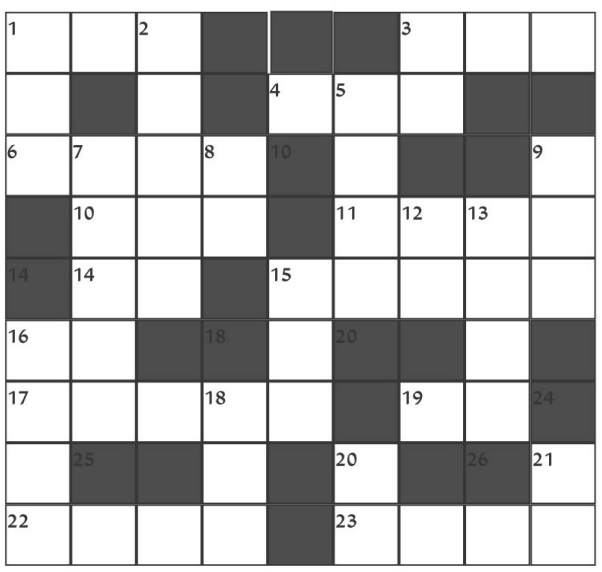

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 92 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

केजीएफ 2 से पहले वायरल श्रीनिधि शेट्टी का सबसे बोल्ड फोटोशूट

यश की केजीएफ चैप्टर 2 में एक नाम की चर्चा इन दिनों हो रही हैावो हैं श्रीनिधि शेट्टी जो कि फिल्म के पहले पार्ट के बाद अब दूसरे पार्ट में भी दिखाई देंगी। श्रीनिधि शेट्टी का एटीट्यूड केजीएफ के पहले भाग में फैंस को काफी पसंद आया था। अब दूसरे भाग में भी श्रीनिधि के उसी टशन को देखना केजीएफ 2 के फैंस के लिए काफी दिलचस्प होने वाला है।

लेकिन क्या आप जानते हैं कि आखिर कौन हैं श्रीनिधि शेट्टी जो कि केजीएफ के बाद साउथ फिल्मों के साथ बॉलीवुड पर भी छा गई हैं। श्रीनिधि को भले ही एक्टिंग की दुनिया केजीएफ से जानती हो लेकिन मॉडलिंग की दुनिया में श्रीनिधि शेट्टी का बड़ा नाम है। साल 2016 में मिस सुपरनेशनल ब्यूटी की वह विजेता रही हैं। इसके अलावा मिस साउथ इंडिया और मिस कर्नाटक जैसे खिताब भी उनके नाम हुए हैं।

केजीएफ में श्रीनिधि शेट्टी में रीना की भूमिका निभाई थी। अपनी डेब्यू फिल्म के साथ ही वह सब पर छा गईं। तमिल और तेलगु फिल्म इंडस्ट्री में भी श्रीनिधि अपनी पहचान बना रही हैं। केजीएफ 2 के बाद श्रीनिधि शेट्टी की एक और फिल्म 26 मई को रिलीज होगी जिसका नाम है कोबरा। स्टाइल और ग्लैमर के लिहाज से श्रीनिधि बला की खूबसूरत हैं। साड़ी हो या गाउन हर लुक में श्रीनिधि कहर ढा रही हैं। श्रीनिधि शेट्टी के इंस्टाग्राम पर उन्होंने अपने कई फोटोशूट की ढेर सारी तस्वीर शेयर की है।

जहां उनका फैशन सेंस साफ दिखाई पड़ रहा है। जाहिर सी बात है कि केजीएफ 2 के बाद श्रीनिधि शेट्टी के लिए बॉलीवुड के भी दरवाजे खुल चुके हैं।

गौरतलब है कि इस बार केजीएफ 2 किरदारों की कहानी है। यश, संजय दत्त, रवीना टंडन,प्रकाश राज और श्रीनिधि शेट्टी के साथ केजीएफ 2 की बॉक्स ऑफिस पर बंपर कमाई की उम्मीद की जा रही है।

नवीन पॉलीशेट्टी-अनुष्का शेट्टी स्टारर फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होगी

अनुष्का शेट्टी और नवीन पॉलीशेट्टी के साथ काम करने की खबरों को सामने आए काफी समय हो गया है। अब जब निर्माताओं ने स्पष्ट रूप से फिल्म को रोल करने का फैसला किया है, तो एक महत्वपूर्ण अपडेट सामने आया है।

खबर है कि फिल्म की नियमित शूटिंग जल्द ही शुरू हो जाएगी, जबकि पोस्ट-प्रोडक्शन का काम चल रहा है। नवीन पॉलीशेट्टी, अनुष्का के साथ फिल्म में एक मुख्य भूमिका निभाएंगे। फिल्म को यूवी क्रिएशंस द्वारा बड़े पैमाने पर निर्मित किया गया है। फिल्म के बारे में अधिक जानकारी जल्द ही सामने आएगी, क्योंकि निर्माताओं ने कुछ दिनों में शूटिंग के संबंध में आधिकारिक घोषणा करने की योजना बनाई है। वहीं अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी ने भी काफी समय बाद कोई फिल्म साइन की है। यह फिल्म उनकी बड़े पर्दे पर वापसी मानी जा रही है।

किरण बेदी कई महिलाओं के लिए प्रेरणा रही हैं: आशी सिंह

मीट की अभिनेत्री आशी सिंह ने बताया कि किस तरह उन्होंने शो में अपनी भूमिका के लिए भारत की पहली महिला आईपीएस अधिकारी किरण बेदी से प्रेरणा ली है। आशी सिंह कहा कि किरण बेदी हमारे समाज में बहुत सारी महिलाओं के लिए प्रेरणा रही हैं, और मैं उनमें से एक हूं। वास्तव में, जैसे ही मुझे पता चला कि मैं शो में एक पुलिस वाले की भूमिका निभाऊंगी, सबसे पहले मेरे दिमाग में जिस व्यक्ति का नाम आया वह किरण जी थीं। अभिनेत्री आगे बताती हैं कि कैसे उन्होंने किरण बेदी के बारे में बहुत कुछ पढ़कर अपनी भूमिका के लिए तैयारी की है। उन्होंने कहा कि वह भारत की पहली महिला आईपीएस अधिकारी हैं। अपने नए अवतार के लिए मैंने उनके बारे में बहुत कुछ पढ़ा, और देखा। उनकी बारीकियां, उन्होंने हर स्थिति पर कैसे प्रतिक्रिया दी आदि। मुझे वास्तव में उम्मीद है कि मैं अपने किरदार के साथ न्याय करूंगी और लोग मुझे एक पुलिस अधिकारी के रूप में प्यार करेंगे। मीत जी टीवी पर प्रसारित होता है।

आर्य-स्टारर कैप्टन का फर्स्ट लुक हुआ रिलीज

निर्देशक शक्ति सुंदर राजन की अपकमिंग फिल्म कैप्टन का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है। फिल्म में अभिनेता आर्य मुख्य भूमिका में हैं। अभिनेता आर्य की पिछली फिल्में, सरपट्टा परंबरई और टेडी ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं अब फैंस को कैप्टन से काफी उम्मीदें हैं। यूनिट के करीबी सूत्रों का कहना है कि फर्स्ट लुक के इस सिंगल फ्रेम को बनाने में टीम को डेढ़ साल का समय लगा है। उनका कहना है कि यह सिंगल फ्रेम फिल्म शैली की थ्रिलर शैली की एक झलक देता है। इस फिल्म के लिए आर्य के सपोर्ट से निर्माता बेहद खुश हैं। पोस्ट प्रोडक्शन का काम तेजी से पूरा किया जा रहा है। आर्य के अलावा, फिल्म में सिमरन, ऐश्वर्या लक्ष्मी, हरीश उथमन, काव्या शेट्टी, गोकुल आनंद, सुरेश मेनन, भरत राज और अंबुली गोकुल भी हैं। डी. इम्मान ने इस फिल्म के लिए संगीत दिया है, वहीं छायांकन एस युवा द्वारा किया जाएगा। फिल्म के गीतों के बोल कार्की ने लिखे हैं और संपादन प्रदीप ई राघव ने किया है।

जब मैं फिल्मों में आई तो मुझे निर्माता की भूमिका के बारे में नहीं पता था:विद्या बालन

विद्या बालन ने अतीत में फिल्मों में अपनी हर पसंद के साथ बॉलीवुड में महिला केंद्रित फिल्मों को फिर से जगह दी है। अपनी पिछली तीन रिलीज – शकुंतला देवी, शेरनी और जलसा में उन्हीं के नक्शेकदम पर चलते हुए अभिनेत्री ने भारतीय सिनेमा में बदलाव लाने के लिए इस तरह की सामग्री का समर्थन करने वाले निर्माताओं के महत्व के बारे में बताया।

अबुदंतिया एंटरटेनमेंट इन तीनों परियोजनाओं का समर्थन करने वाले प्रोडक्शन हाउस में से एक था।

विद्या ने बताया, ईमानदारी से कहूं तो, जब मैं फिल्म उद्योग में शामिल हुई, तो मुझे फिल्म बनाने में एक निर्माता की सटीक भूमिका के बारे में नहीं पता था, लेकिन समय के साथ, जब से मैंने कई महिला प्रधान फिल्मों में काम किया है, चाहे वह इश्किया , नो वन किल्ड जेसिका और इसी तरह, मुझे फिल्म निर्माण के बारे में एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात का एहसास हुआ।

एक फिल्म विशेष रूप से अगर यह अपरंपरागत है, कागज पर सफल नहीं है, तो ऐसी फिल्मों को बनाने और लक्षित दर्शकों के लिए इसे सही ढंग से रिलीज करने के लिए पर्याप्त जोखिम लेने के लिए निर्माता की अत्यधिक देखभाल और बैकअप की आवश्यकता होती है।

उन्होंने आगे कहा, एक फिल्म के लिए एक निर्माता और निर्देशक की भूमिका समान रूप से महत्वपूर्ण होती है, अगर एक पिता है, तो दूसरी फिल्म की मां है। यह कहने के बाद कि मैंने विक्रम के साथ लगातार तीन सफल फिल्मों में काम किया है और मुझे कहना होगा, उनका प्रोडक्शन हाउस न केवल रचनात्मक सशक्तिकरण के बारे में बात करता है, बल्कि वास्तव में आगे बढ़ने और ऐसी फिल्में बनाने की बात करता है, जो कहानी कहने में बहुत महत्वपूर्ण हैं।

दूसरी ओर, अबुदंतिया एंटरटेनमेंट के सीईओ विक्रम मल्होत्रा स्वीकार करते हैं कि एक प्रोडक्शन हाउस के रूप में, वे पहले कहानी पर ध्यान केंद्रित करते हैं और फिर बाकी उसके लिए अनुसरण करते हैं।

विक्रम ने बताया, हां, चाहे वह शकुंतला देवी, शेरनी और जलसा हो, ये महिला प्रधान फिल्में हैं। लेकिन हमारे लिए, ये सभी कहानियां समान रूप से महत्वपूर्ण, आकर्षक और मनोरंजक हैं। इसलिए हम एक फिल्म बनाते हैं। हमारा पैरामीटर सरल है। हम कहानीकार की दृष्टि को प्रस्तुत करते हैं, उसके बाद दर्शकों का आकार जो कहानी को प्रभावित कर सकता है और इसके बाद बजट और मंच का आर्थिक विचार आता है।

जबकि इन तीनों फिल्मों का मिजाज बहुत अलग है, विक्रम ने साझा किया कि कैसे यह अभिनेत्री-निर्माता की जोड़ी उनके लिए पूरी तरह से काम कर रही है।

विक्रम ने कहा, किसी भी रचनात्मक सहयोग में, संवेदनशीलता से मेल खाना महत्वपूर्ण है, हमारी जोड़ी अद्भुत है। साथ ही फिल्म के सेट पर, वह बस इतनी खुशी लाती है और पूरी यूनिट को खुश करती है कि काम के दबाव में भी, प्रक्रिया सुखद हो जाती है।

दिलचस्प बात यह है कि दोनों फिल्में शकुंतला देवी और शेरनी भले ही शुरू में नाटकीय रूप से रिलीज होने की योजना बना रही थीं, लेकिन महामारी के कारण दोनों ही प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थीं।

इस तथ्य को स्वीकार करते हुए कि 70 मिमी स्क्रीन पर एक फिल्म का अनुभव करना हमेशा एक भोग होता है, विक्रम और विद्या ने इसकी ओटीटी रिलीज के महत्व का उल्लेख किया।

विक्रम ने कहा, दोनों को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज करना एक संयुक्त निर्णय था, क्योंकि हम चाहते थे कि फिल्में तब रिलीज हों जब सामग्री ताजा हो, दर्शक महामारी से गुजरते हुए इसे देखने का इंतजार कर रहे हों। यह हमारे उद्योग के लिए अनिश्चित समय था। दूसरी तरफ दर्शक ऐसी कहानियों का जश्न मनाने के लिए तेजी से परिपक्व हो रहे हैं।

इसके अलावा, विद्या ने कहा, इसके अलावा, मुझे लगता है कि ओटीटी रिलीज ने हमें उस समय हमारी फिल्मों के लिए एक अकल्पनीय दर्शकों तक पहुंच प्रदान की है। मुझे लगता है कि हम अब दोनों दुनिया के सर्वश्रेष्ठ का आनंद ले रहे हैं।

अबुदंतिया एंटरटेनमेंट अब अक्षय कुमार अभिनीत दिवाली रिलीज राम सेतु के लिए कमर कस रहा है, इसके बाद जूही चावला और सोहा अली खान के साथ हश हश, सूररई पोटरु की रीमेक और छोरी 2 के साथ कुछ अन्य प्रोजेक्ट्स हैं।

केजीएफ: 2 बनी ब्रिटेन में सबसे ज्यादा टिकट की बिक्री करने वाली पहली भारतीय फिल्म

पैन इंडिया फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 लगातार सुर्खियों में है। अब इसकी रिलीज डेट करीब आ रही है तो इससे जुड़ीं नई-नई जानकारियां भी सामने आ रही हैं। अब जो खबर आ रही है, उससे केजीएफ के प्रशंसक फूले नहीं समाएंगे। दरअसल, फिल्म ने रिलीज से पहले ही ब्रिटेन में एक बड़ा रिकॉर्ड बना लिया है। इससे साफ हो गया है कि यह ना सिर्फ भारत, बल्कि विदेशों में भी जमकर कमाई करने वाली है। ब्रिटेन मे केजीएफ के फैंस ने अपने टिकट पहले ही बुक करा लिए हैं। आरटीएफ फिल्म्स ने एक ट्वीट कर फिल्म की एडवांस बुकिंग से टूटे रिकॉर्ड की जानकारी साझा की है। ट्वीट के मुताबिक, केजीएफ ने भारतीय फिल्मों के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और टिकट बिक्री शुरू होने के 12 घंटे बाद ही 5,000 से अधिक टिकट बिकने का एक नया रिकॉर्ड बनाया है। यह किसी भी भारतीय फिल्म के लिए अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है।

लंबे समय से फिल्मों की रिलीज पर कोरोना के कारण रोक लग गई थी। इन्हीं में से एक थी फिल्म केजीएफ चैप्टर 2। कन्नड़ सिनेमा की सबसे बड़ी हिट बनी फिल्म केजीएफ चैप्टर 1 के बाद लोग इसके दूसरे पार्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। फिल्म 14 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। केजीएफ चैप्टर 1 में यश की धमाकेदार परफॉर्मेंस के बाद दूसरे पार्ट में उनकी वापसी का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है।

यश कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में सबसे सफल और सबसे ज्यादा फीस पाने वाले अभिनेताओं में से एक हैं। रॉकी भाई नाम से मशहूर यश ने मोडालासाला, किरातका, राजधानी, ड्रामा, गुगली, मिस्टर एंड मिसेज रामचारी और मास्टरपीस जैसी कई बेहतरीन फिल्में की हैं।

केजीएफ 2 का निर्देशन प्रशांत नील ने किया है। फिल्म में संजय दत्त और रवीना टंडन भी नजर आएंगी। इसमें मालविका अविनाश और श्रीनिधि शेट्टी भी दिखेंगी। फिल्म कन्नड़, हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम में रिलीज होगी। यह 2018 में आई कन्नड़ फिल्म केजीएफ चैप्टर 1 का सीक्वल है। केजीएफ चैप्टर 1 पहली कन्नड़ फिल्म थी, जिसने 250 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की। यह चौथी हिंदी में डब की गई फिल्म थी, जिसने सबसे ज्यादा कमाई की थी।

14 अप्रैल को केजीएफ 2 की सिनेमाघरों में अकेले नहीं होगी, बल्कि इसका सामने दो और फिल्में भी हैं। एक है थलापति विजय की फिल्म बीस्ट और दूसरी है शाहिद की क्रिकेट पर आधारित फिल्म जर्सी। जहां बीस्ट 13 अप्रैल को रिलीज हो रही है, वहीं जर्सी 14 अप्रैल को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाएगी। तीनों ही फिल्मों को लेकर दशकों के बीच क्रेज है। अब देखते हैं कि इन तीनों में से बॉक्स ऑफिस की जंग में कौन बाजी मारेगी?

भारत और ऑस्ट्रेलिया-व्यापार के क्षेत्र में संयुक्त विजेता

पीयूष गोयल

भारत ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (इंडऑस ईसीटीए) के माध्यम से वैश्विक व्यापार परिदृश्य में भारत के प्रभावशाली उदय से जुड़े एक और नए अध्याय की शुरुआत हुई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, अत्यधिक प्रतिस्पर्धी वैश्विक बाजार में देश लगातार नई ऊंचाइयां छू रहा है। पिछले महीने, भारत ने 2021-22 के लिए 400 बिलियन डॉलर के महत्वाकांक्षी निर्यात लक्ष्य को हासिल ही नहीं किया, बल्कि इससे आगे भी बढ़ गया है, क्योंकि छोटे उद्यमों समेत भारतीय निर्यातकों ने अपने मौजूदा परिचालनों में वृद्धि की, नए बाजारों में प्रवेश किया और नए उत्पादों का निर्यात किया। इस प्रकार, भारतीय निर्यातकों ने आर्थिक विकास को गति प्रदान की एवं रोजगार के अवसरों का सृजन किया और वो भी ऐसे समय में जब वैश्विक अर्थव्यवस्था महामारी के कारण संकट में थी। इससे एक महीने पहले, भारत ने संयुक्त अरब अमीरात के साथ 'व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता' पर हस्ताक्षर किए, जिससे देश के लोगों के लिए नौकरियों के और धन अर्जित करने के नए अवसर पैदा हुए।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एकता का प्रतीक, इंडऑस ईसीटीए एक प्रमुख मील का पत्थर है। यह अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 27.5 बिलियन डॉलर से बढ़ाकर 45-50 बिलियन डॉलर के स्तर पर ले जाएगा, जिससे दोनों देशों को बहुत लाभ होगा। यह एक दशक से अधिक समय के बाद किसी विकसित अर्थव्यवस्था के साथ पहला व्यापार समझौता है, जिसे निर्यातकों, व्यापारियों, छोटे उद्यमों और पेशेवरों के साथ व्यापक परामर्श के बाद अंतिम रूप दिया गया है।

व्यापार सौदे और भारतीय निर्यातकों का प्रशंसनीय प्रदर्शन न्यू इंडिया की नई ऊर्जा, समर्पण, दृढ़ संकल्प और सफल होने की अदम्य इच्छा का प्रमाण है। देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, जो भारतीय स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के पहले 75-सप्ताह की समयावधि को रेखांकित करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि कोरोना काल के बाद दुनिया बहुत तेजी से एक नई विश्व व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। उन्होंने कहा, यह एक ऐसा महत्वपूर्ण दौर है, जब भारत को इस अवसर को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी भारत की आवाज बुलंद रहनी चाहिए तथा भारत को नेतृत्व की भूमिका के लिए खुद को योग्य समझना चाहिए।

इस संदर्भ में, भारत का पूरा निर्यात व्यवसाय- सामान्य बुनकरों और कामगारों से लेकर दुनिया को मात देने वाले उद्यमियों, इंजीनियरों और सॉफ्टवेयर पेशेवरों तक - भारत को वैश्विक बाजार में एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है और दुनिया भारत को एक उभरती हुई महाशक्ति के रूप में देख रही है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के आर्थिक संबंध एक-दूसरे के लिए पूरक हैं। भारत मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया को तैयार उत्पादों का निर्यात करता है और विशेषकर खनिजों, कच्चे माल और मध्यवर्ती वस्तुओं का आयात करता है। भारत को अपने सभी उत्पादों के लिए ऑस्ट्रेलिया में शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त होगी। इससे भारत, प्रमुख प्रतिद्वंद्वियों, जिनके पास पहले से ही

ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापार सौदे हैं, के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम होगा और प्रतिकूल परिस्थिति से होने वाले नुकसान को कम करने में सफल होगा। भारत को अपने उत्पादों के लिए बाजार पहुंच का फायदा मिलेगा और नियामक प्रक्रियाओं को आसान बनाने से फार्मास्युटिकल उत्पादों के लिए, इस क्षेत्र का आकर्षक 12 बिलियन डॉलर का ऑस्ट्रेलियाई बाजार भी खुल जाएगा। इसी तरह, कपड़ा निर्यात के तीन वर्षों में तीन गुना होकर 1.1 बिलियन डॉलर के स्तर तक पहुंचने की उम्मीद है, जिससे हर साल 40,000 नए रोजगार सृजित होंगे और छोटे शहरों व ग्रामीण क्षेत्रों में नई इकाइयों के शुरू होने की संभावना बढ़ेगी। इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात 2020-21 के 1.2 बिलियन डॉलर से बढ़कर पांच वर्षों में 2.7 बिलियन डॉलर होने की उम्मीद है।

ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात के साथ व्यापार समझौतों से अगले पांच से सात वर्षों में प्रत्येक के सन्दर्भ में 10 लाख नौकरियां के सृजन होने का अनुमान है। वे निवेशकों का उत्साह भी बढ़ाएंगे और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारत की स्थिति को बढ़ावा देंगे, जिससे समझौते में एक रणनीतिक आयाम जुड़ेगा। भारत पहले ही ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ त्रिपक्षीय आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन पहल (एससीआरआई) व्यवस्था में शामिल हो चुका है।

यह समझौता भारतीय कंपनियों के लिए कच्चे माल, खनिज और मध्यवर्ती वस्तुओं की लागत को कम करता है, जिससे उपभोक्ताओं को मदद मिलेगी और निर्यात में वृद्धि होगी। सरकार ने किसानों का ध्यान रखा है और कई क्षेत्रों को समझौते के दायरे से बाहर रखा है। इनमें डेयरी उत्पाद, काबुली चना, अखरोट, पिस्ता, गेहूं, चावल, बाजरा, सेब, सूरजमुखी-बीज का तेल, चीनी, खली, सोना, चांदी, प्लेटिनम, आभूषण, लौह अयस्क और अधिकांश चिकित्सा उपकरण शामिल हैं। छात्रों को भी बहुत लाभ मिलेगा। वे अध्ययन के बाद चार साल तक के लिए वीज़ा प्राप्त कर पायेंगे, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नौकरी का अनुभव देगा और ऑस्ट्रेलिया को युवा पेशेवरों के प्रतिभाशाली, मेहनती समुदाय का लाभ देगा, जिन्होंने विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई है और प्रमुख पश्चिमी कंपनियां के शीर्ष पदों को संभाल रहे हैं।

इसके अलावा, भारतीयों को एक उदार वीजा व्यवस्था मिलेगी, जो कॉर्पोरेट के दायरे में स्थानांतरित होने वाले कर्मियों, अधिकारियों और संविदा सेवा प्रदाताओं को चार साल तक अस्थायी प्रवास की अनुमति देगा। परिवार के सदस्यों के लिए प्रवेश, निवास करने और काम के अधिकारों के लिए भी प्रतिबद्धताएं शामिल की गयीं हैं।

भारतीय शेफ और योग शिक्षक भी वीजा व्यवस्था में रियायतों के साथ ऑस्ट्रेलिया में अपनी पहचान बनाने में सक्षम होंगे, जो उन्हें चार साल तक रहने की अनुमति देगा, यदि वे पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं। इससे भारत के सांस्कृतिक प्रभाव में वृद्धि होगी और आस्ट्रेलिया के लोगों को योग का लाभ प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

दोनों देश क्रिकेट के प्रति अपने लगाव से भी एकता की भावना प्रदर्शित करते हैं और भारतीय खेलप्रेमी डॉन ब्रैडमैन, स्टीव वॉ, ब्रेट ली और शेन वार्न जैसे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के दिग्गजों के प्रशंसक रहे हैं। प्रत्येक टीम चुनौतीपूर्ण क्रिकेट प्रतियोगिताओं में दूसरे को पराजित करने के लिए कड़ी मेहनत करती है, लेकिन व्यापार-क्षेत्र में कोई पक्ष हारने वाला नहीं है - यह दोनों ही देशों के लिए जीत की स्थिति है।

भविष्य के प्रति और अधिक उत्साह है। भारत; यूरोपीय संघ, कनाडा और यूके जैसे प्रमुख पश्चिमी व्यापारिक भागीदारों के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। संयुक्त अरब अमीरात और ऑस्ट्रेलिया के साथ हुए व्यापार समझौते भारत की अदम्य इच्छा और उद्योग जगत के विश्वास को प्रदर्शित करते हैं, जहां दोनों देश लाभ की स्थिति में होते हैं तथा अन्य व्यापार समझौतों के लिए एक ठोस आधार मिलता है।

सू- दोकू क्र. 93

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.92 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

यूक्रेनः भारत ने मुँह खोला

वेद प्रताप वैदिक

संयुक्तराष्ट्र सुरक्षा परिषद में हमारे प्रतिनिधि टी.एस. तिरुमूर्ति ने ल यूक्रेन के बारे में जो बयान दिया है, वह विश्व राजनीति में भारत की छवि को तो बेहतर बनाएगा ही, वह रूस को भी अपनी पशुता से बाज आने के लिए शायद प्रेरित कर दे ।तिरुमूर्ति ने यूक्रेन के शहर बूचा में हुए नर-संहार की दो-टूक शब्दों में भर्त्सना की है। उन्होंने मांग की है कि इस नरसंहार की जांच की जानी चाहिए और इसे तुरंत रोका जाना चाहिए। उन्होंने नरसंहार करनेवाले रूस का नाम नहीं लिया। यह सावधानी उन्होंने जरुर बरती लेकिन यह स्पष्ट है कि उन्होंने रूसी फौज के अत्याचार की उतनी ही सख्त आलोचना की है, जितनी अमेरिका और यूरोपीय देश कर रहे हैं। भारत की इस आलोचना का शायद रूस पर कोई असर न पड़े लेकिन भारत की तटस्थता को अब दुनिया के राष्ट्र भारत का गूंगापन नहीं समझेंगे।

भारत ने हालांकि कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जब भी रूस का विरोध हुआ, भारत ने उसके समर्थन में मतदान नहीं किया लेकिन उसने हर बार यह कहा कि प्रत्येक राष्ट्र को संयुक्तराष्ट्र घोषणा पत्र का सम्मान करना चाहिए, हर देश की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा करनी चाहिए और अपने विवादों को युद्ध से नहीं, बातचीत से हल करना चाहिए। तिरुमूर्ति ने यही बात बूचा के नरसंहार पर बोलते ही दोहराई है। मुझे लगता है कि भारत के इस ताजा तेवर से अमेरिका के घाव पर थोड़ा मरहम जरुर लगा होगा,

क्योंकि अमेरिका के नेता और अफसर बार-बार भारत से आग्रह कर रहे हैं कि वह रूस-विरोधी तेवर अपनाए और रूस के विरुद्ध घोषित पश्चिमी प्रतिबंधों को भी लागू करे। पश्चिमी राष्ट्रों के ये दोनों आग्रह निरर्थक हैं। वे दुनिया के सबसे शक्तिशाली और मालदार देश हैं। उनके द्वारा की गई भर्त्सना का क्या असर हो रहा है? इसी तरह का काम अमेरिका ने अफगानिस्तान, लीब्या, एराक, वियतनाम और कोरिया में किया था। यूक्रेनी राष्ट्रपति झेलेंस्की ने सुरक्षा परिषद को संबोधित करते हुए कहा है कि संयुक्तराष्ट्र यूक्रेन की सुरक्षा नहीं कर पाए तो उसको भंग क्यों नहीं कर दिया जाना चाहिए।

जहां तक प्रतिबंधों का सवाल है, यह भी शुद्ध ढोंग है, क्योंकि रूसी तेल और गैस अब भी यूरोपीय राष्ट्र धड़ल्ले से खरीद रहे हैं। लेकिन यूक्रेन के विभिन्न शहरों को पूतिन का रूस जिस तरह तबाह कर रहा है, वैसा तो मुसोलिनी की इटली और हिटलर के जर्मनी ने भी नहीं किया था। यूक्रेन के शहर बूचा में 300 शव पाए गए हैं। उन्हें टीवी चैनलों पर देखकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

मकानों, दुकानों और दफ्तरों को भस्मीभूत कर दिया गया है। पूतिन के प्रवक्ता का कहना है कि ये सब किस्से मनगढ़ंत हैं। बूचा को रूसी फौजों ने खाली कर दिया, उसके एक हफ्ते बाद के ये फर्जी चित्र हैं। रूसी प्रवक्ता की इस मूर्खता पर किसे क्रोध नहीं आएगा?

यदि रूसी नरसंहार इसी तरह जारी रहा तो पूतिन और रूस की छवि दुनिया में इतनी गिर जाएगी, जितनी मुसोलिनी और हिटलर की भी नहीं गिरी थी। भारत ने बूचा को बूचड़खाना बनाने का जो विरोध किया, वह ठीक है लेकिन पूतिन को कोई समझाए कि यदि यही क्रूरता जारी रही तो कहीं चीन और भारत-जैसे देशों को भी उसके विरुद्ध अपना मुंह खोलना न पड़ जाए।

फेरी वालों का होगा सत्यापन

❑पुलिस ने कबाडियों के साथ बैठक कर दिये निर्देश

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने कबाडी व स्क्रैप खरीदने वालों के साथ बैठक कर फेरी वालों का सत्यापन कराने के निर्देश दिये।

आज यहां डोईवाला कोतवाली में क्षेत्र के सभी कबाडी व स्क्रैप खरीदने वालों के साथ पुलिस ने बैठक की। बैठक में कई समस्याएं बतायी गयी तथा पुलिस को सुझाव भी दिये गये। पुलिस ने कबाडियों की समस्याओं का निस्तारण करने का आश्वासन दिया।

बैठक में सभी को निर्देश दिये गये कि सभी कबाडी अपनी-अपनी दुकानों पर फेरी का कार्य करने वालों का सत्यापन पांच दिन में करा लें। यादि कोई कबाड, स्क्रैप बेचने वाला व्यक्ति संदिग्ध प्रतीत होता है तो तत्काल उसकी सूचना पुलिस को दें। पुलिस ने निर्देश दिये कि सभी अपनी-अपनी दुकानों पर रजिस्टर रखेंगे जिसमें फेरी व सामान बेचने वालों का विवरण अंकित करवाएंगे। इसके साथ ही फेरी करने वाले व्यक्तियों का सत्यापन निर्धारित तिथि पर नहीं कराया जाता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। पुलिस ने निर्देश दिये कि यदि कोई व्यक्ति दूसरे क्षेत्र से आकर थाना क्षेत्र में फेरी करता है तो उसकी सूचना पुलिस को देंगे तथा अपनी दुकानों के आसपास किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं करेंगे अन्यथा सम्बन्धित` विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाही की जायेगी।

बैसाखी में गंगा स्नान के लिए उमड़े श्रद्धालु

विशेष संवाददाता

हरिद्वार। बैसाखी के मौके पर आज हरकी पैड़ी पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। देश भर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचे जिनकी भीड़ को देखते हुए प्रशासन और पुलिस की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। नववर्ष के शुरुआत के तौर पर भी बैसाख को माना जाता है और इसे साल का पहला स्नान भी माना जाता है। हिंदू धर्म के लोग इस दिन पर सदानीरा में स्नान कर भोग लगा और पूजा करके मनाते हैं। मान्यता है कि हजारों साल पहले देवी गंगा इसी दिन धरती पर उतरी थीं। उन्हीं के सम्मान में हिंदू धर्मावलंबी पारंपरिक पवित्र स्नान के लिए गंगा किनारे एकत्र होते हैं।ज्योतिषीय आधार पर माना जाता है कि जब सूर्य मेष राशि में प्रवेश करता है तो मेष संक्रांति होती है। ज्योतिषाचार्यो के मुताबिक इस दिन पवित्र नदियों के जल में स्नान करने मात्र से व्यक्ति के सारे पाप धुल जाते हैं। इस दिन लोग दूर- दूर से आकर पवित्र नदियों के जल में स्नान और मंदिरों में पूजा-अर्चना करके भगवान से परिवार की सुख समृद्धि की कामना करते हैं।

राष्ट्रीय बचत अभिकर्ता एसोसिएशन का किया गया गठन

विशेष संवाददाता

ऋषिकेश। राष्ट्रीय बचत अभिकर्ता एसोसिएशन का गठन पूर्व उप डाकपाल कृष्ण कुमार सिंधी की अध्यक्षता व वरिष्ठ अभिकर्ता अजय ब्रेजा व अजय गुप्ता के संयुक्त संचालन में किया गया।

त्रिवेणी घाट स्थित होटल पैराडाइज में उक्त राष्ट्रीय बचत अभिकर्ता एसोसिएशन का सर्वसम्मति से गठन किया गया। राष्ट्रीय बचत योजनाओं में ध न विनियोजन कर प्रदेश की खुशहाली और विकास में सहयोग करना सुनहरे भविष्य की उमंग राष्ट्रीय बचत योजनाओं के संग सहित अभिकर्ताओ कि विभिन्न समस्याओं की साथ विकास ,पारस्परिक सौहार्द, सुरक्षा एवं पर्यावरण के प्रति संकल्प को लेकर एसोसिएशन का गठन किया गया है। एसोसिएशन द्वारा शीघ्र ही संरक्षक समिति पदाधिकारी, कार्यकारिणी व सदस्यों का चयन कर लिया जाएगा। इस अवसर पर अभिकर्ता गीता सचदेवा, रमा गौतम, गोल्डी ब्रेजा, रेखा गुप्ता, अनीता रैना, संगीता अग्रवाल सहित कई लोग मौजूद रहे।

दून मेडिकल कालेज के नर्सिंग स्टाफ ने दी कार्यबहिष्कार की चेतावनी

संवाददाता

देहरादून। राजकीय दून मेडिकल कालेज के सभी वार्डो में वार्ड ब्वाय व अन्य स्टाफ की कमी के कारण परेशानी झेल रही नर्सो ने शीघ्र समस्याओ को दूर ना किये जाने पर कार्यबहिष्कार की चेतावनी दी।

आज यंहां राजकीय दून मेडिकल कॉलेज के नर्सिंग स्टाफ ने अधिकारियों से शिकायतें की। उनका कहना था कि दून मेडिकल कॉलेज में सभी वार्डों में मानव संसाधनों की अत्यधिक कमी हो गई है जिसमें सबसे ज्यादा कमी नर्सिग अधिकारियों एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों(वार्ड बॉय और वार्ड आया)की है। आईसीयू इंचार्ज सिस्टर प्रीति द्वारा बताया गया क्या आईसीयू में एक भी वार्ड बाय वार्ड आया किसी भी शिफ्ट में नहीं है जिससे मरीजों के काम करने में बहुत परेशानी हो रही है साथ ही इस बात पर भी गौर करने की आवश्यकता है यह बनने के उपरांत कभी भी कोई मेडिकल कॉलेज के द्वारा नर्सिग या चतुर्थ श्रेणी के कर्मियों की भर्ती नहीं की गई। उनका कहना था कि कोविड-19 के दौर में अति अस्थाई तौर पर कुछ कर्मियों को रखा गया था जिनकी विगत कुछ दिनों से सेवा समाप्त कर दिया गया है। ऐसे में अस्पताल को तीनों शिफ्ट में चलाना नर्सिंग स्टाफ के ऊपर भारी पड़ रहा है जिसमें उनको एक भी सहायक स्टाफ नहीं दिया जा रहा है। इस बात का सभी स्टाफ ने संघ के पास आकर अत्यधिक रोष प्रकट किया इस बात पर कई बार उच्चाधिकारियों से संघ द्वारा पत्राचार एवं मौखिक वार्ता की जा चुकी है अधि कारियों द्वारा सांत्वना दी गई है कि जल्द ही परेशानी का समाधान होगा परंतु ध रातल पर अभी कोई समाधान नहीं दिख रहा है। यह परिस्थिति विकट है और मरीजों के हित में नहीं है ।

आगामी 18 अप्रैल से न्यू ओपीडी ब्लॉक के आगे सभी नर्सिंग स्टाफ के द्वारा गेट मीटिंग व धरना प्रदर्शन तथा काली पट्टी बांधी जाएगी। यदि फिर भी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो नर्सिंग स्टाफ कार्य बहिष्कार के लिए जनहित में मजबूर होंगे क्योंकि कोई भी उनकी बात नहीं सुन रहा है ना ही इस परिस्थिति को समझ रहा है। वार्ता में इंदु शर्मा जिला अध्यक्ष देहरादून विद्या चौबे प्रांतीय कोषाध्यक्ष मीनाक्षी जख्मोला प्रवीण खातून वंदना भट्ट शारदा नैना गर्ग संगीता बोरा सावित्री चौहान कंचन आशा लिंगवाल प्रीति बाग सुशीला पवार अंजलि सुनीता आदि मौजूद थे।

सीमांत क्षेत्रों के 14 गांवों को गुलाब की खेती का हब बनाये जाने की तैयारी

हमारे संवाददाता

मुनस्यारी। तुर्की तथा बुलगारियां की तरह चीन सीमा से लगे सीमांत के 14 गांवो को गुलाब की खेती का हब बनाए जाने की तैयारियां शुरू हो गई है। सगंध पौध (कैप) के विशेषज्ञ ने महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को गुलाब की खेती के बारे में तकनीकी जानकारी दी। बाजार में गुलाब के तेल जल तथा पंखुड़ियों की ब्रिकी की मांग पर भी नई जानकारियां साझा की।

विकासखंड के सभागार में जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जिला पंचायत सरमोली वार्ड के 14 गांव को मौसम तथा समुद्र की सतह से ऊंचाई के आधार पर चयनित किया गया है। बैठक में सुगंध पौध (कैप) की फील्ड तकनीकी सहायक एवं जिला प्रभारी विजय बमौला ने मुनस्यारी में गुलाब की खेती की संभावनाओं को लेकर जानकारियां साझा की। बमौला ने बताया कि मौसम को देखते हुए मुनस्यारी का इलाका गुलाब की खेती के लिए उत्तराखंड में सबसे बेहतरीन क्षेत्र है। गुलाब की खेती को करते हुए क्षेत्र के लोग अपनों को आजीविका के क्षेत्र में और मजबूत कर सकते है। बताया किं तुर्की, बुलगारिया सहित कई देश गुलाब की खेती को अपनी मुख्य आजीविका का आधार बना चुके है। इसकी संभावनाएं यहां भी नजर आती है।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि गुलाब की खेती के लिए महिला स्वयं सहायता समूह के साथ अब ग्राम स्तर पर विकासखंड के कर्मचारियों के साथ बैठक करके इस योजना को ध रातल में लाने का प्रयास तेज करेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाली 10 वर्षों के भीतर मुनस्यारी के इन गांवों को आजीविका के क्षेत्र पर अपने पैरों पर खड़ा करने की कोशिश लगातार जारी रहेगी। कहा कि राज्य सरकार को चाहिए कि वह इस तरह की आजीविका परक योजनाओं के लिए उत्तराखंड के दूरस्थ गांव के लोगों को आवश्यक मदद एवं सहायता देकर उनका उत्साह बढ़ाने का काम करे। इसके लिए एक पंचायत प्रतिनिधियों का एक प्रतिनिधिमंडल प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भी देहरादून जाकर मुलाकात करेगा। इस मौके पर प्रभारी खंड विकास अधिकारी कमलेश बृजवाल,मनरेगा के डीपीएम प्रकाश जोशी , ग्राम पंचायत अधिकारी गीता पिमोली, एनआरएलएम की राधा,शकुंतला के साथ ही सामाजिक कार्यकर्ता महेश सिंह रावत मौजूद थे।

कोरोना से डरे नहीं
सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

राज ठाकरे ने लाउडस्पीकर मामले में मुंबई सरकार को 3 मई तक का दिया अल्टीमेटम

मुंबई । महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने राज के शिवसेना सरकार को मस्जिदों से लाउडस्पीकर के बजने को लेकर फाइनल अल्टीमेटम दे दिया है। उन्होंने ठाणे में आयोजित एक रैली में यह कहा है कि वे सरकार को ३ मई तक का अल्टीमेटम देते हैं। इस तारीख तक वे राज्य के सभी मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने की बात कही है। आपको बता दें कि पिछले कई दिनों से मनसे प्रमुख मस्जिदों में लाउडस्पीकर को लेकर बयान दे रहे हैं और उनके कार्यकर्ता द्वारा मस्जिदों के सामने हनुमान चालीसा बजाने के बात सामने आई है। इसको लेकर मनसे के कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने कार्रवाई भी की है। पुणे में मंगलवार को मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने भाषण के दौरान ३ मई तक सभी मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने को कहा है। ऐसा नहीं करने पर उनके कार्यकर्ताओं द्वारा मस्जिदों के सामने हनुमान चलीसा चलाने की भी बात कही है। उन्होंने यह भी कहा कि वे किसी धर्म और प्रार्थना के खिलाफ नहीं है, लेकिन इससे दूसरों को परेशानी होती है इसलिए इसे हटाने की बात कही जा रही है।

उत्तर प्रदेशः नारायणी नदी में यात्रियों से भरी नाव पलटी , 3 शव बरामद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर के खड्डा इलाके में बुधवार को नारायणी नदी में यात्रियों से भरी नाव पलट गई जिससे नाव पर सवार १० लोग डूब गए। जानकारी के मुताबिक डूबे लोगों में नौ महिलाएं शामिल हैं। बताया जा रहा है कि सभी महिला मजदूर हैं जो नाव से नदी के उस पार गेहूं की कटाई करने गईं थीं। हादसे के बाद नदी में मछली मार रहे मछुआरों ने सात महिला मजदूरों को निकाल लिया, तीन महिलाओं की मौत हो गई। तीनों का शव नदी से निकाला गया है। लोगों के मुताबिक नाव के डूबने के बाद कोहराम मच गया। जानकारी के मुताबिक गांव बोधी छपरा निवासी मिश्री निषाद का नारायणी नदी उस पार गांव बलुइया रेता में खेत है और खेत में गेहूं की फसल तैयार है। छितौनी के टोला पथलहवा की रहने वाली नौ महिला मजूदरों संग सुबह आठ बजे वह गेहूं की कटाई कराने नाव से नदी उस पार जा रहे थे। छेद होने की वजह से बीच नदी में पहुंचते ही नाव में पानी भर गया जिससे नाव अचानक पलट गई और इसमें सभी सवार डूबने लगे। एक घंटे की मशक्कत के बाद नदी के बीच शैवाल में फंसे तीनों युवतियों का शव बरामद किया गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में ले लिया। डीएम एस राजलिंगम, एसपी सचिन्द्र पटेल, विधायक विवकेनंद पाण्डेय ने घटनास्थल पर पहुंच कर घटना की पूरी जानकारी ली।

पाक सेना प्रमुख के खिलाफ अभियान चलाने के आरोप में पीटीआई के 8 कार्यकर्ता गिरफ्तार

कराची। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के खिलाफ सोशल मीडिया पर अभियान चलाने के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ पार्टी (पीटीआई) के आठ कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने सोशल मीडिया पर बाजवा और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों को कथित तौर पर निशाना बनाने के लिए मंगलवार को पंजाब प्रांत के अलग–अलग हिस्सों से ये गिरफ्तारियां कीं। इमरान को एकजुट विपक्ष द्वारा आठ मार्च को उनके खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के बीते रविवार कामयाब होने के बाद प्रधानमंत्री पद गंवाना पड़ा था। अविश्वास प्रस्ताव के बाद के दिनों में बाजवा के खिलाफ चलाया गया एक अभियान ट्विटर पर ट्रेंड करने लगा था। एफआईए के मुताबिक, उसे खुफिया एजेंसियों से बाजवा और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के खिलाफ सोशल मीडिया अभियान में शामिल ५० संदिग्धों की सूची मिली है और इनमें से आठ लोगों को हिरासत में ले लिया गया है।

मुख्य सचिव ने एलिवेटेड रोड के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ की बैठक

विशेष संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने आज रिस्पना एवं बिंदाल नदी पर एलिवेटेड रोड के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान मुख्य सचिव के समक्ष फीजीबिलिटी स्टडी का प्रस्तुतीकरण किया गया।

मुख्य सचिव ने रिस्पना एवं बिंदाल नदी में एलिवेटेड रोड को 6 लेन बनाए जाने की सम्भावनाएं तलाशने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तैयार होने के बाद यह सड़कें देहरादून की सड़कों का कंजेशन काफी हद तक कम करने में कारगर सिद्ध होंगी। उन्होने कहा कि नदियों के दोनों किनारों पर भी वाहन चलाने योग्य सड़कों के निर्माण की संभावनाओं को भी तलाशा जाए, जिससे नदियों के आसपास की बस्तियों को आवागमन की सुविधा मिल सके।

ज्ञातव्य हो कि पूर्व में मुख्य सचिव ने रिस्पना और बिंदाल नदियों में एलिवेटेड सड़क निर्माण के लिए फीजिबिलिटी सर्वे किए जाने के निर्देश दिए थे। जिसके अनुपालन में विधानसभा के पास रिस्पना पुल से सहस्त्रधारा और बिंदाल नदी पर हरिद्वार बायपास से मैक्स अस्पताल के पास तक एलिवेटेड सड़क का फीजिबिलिटी सर्वे किया गया था।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, सचिव अरविन्द सिंह ह्यांकी सहित अन्य सम्बन्धित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

लड़कियों की फोटो दिखा ठगे लाखों रुपये

देहरादून (सं)। लडकियों की फोटो भेजकर युवक से चार लाख ठग लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।प्राप्त जानकारी के अनुसार ओल्ड नेहरू कालोनी निवासी अभिषेक गुप्ता ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 7 फरवरी को उसने सुडको नाम की वेबसाइट से एस्कोर्ट सर्विस से उनका विज्ञापन देखकर मोबाइल पर संर्पक किया था। संपर्क करने पर उनके द्वारा उसको 550 रुपए बतौर एडवांस देने कें लिए कहा गया जिसको मेने उपराक्त नम्बर पर ऑनलाइन भेज दिए। इसके बाद उसको इनके द्वारा कुछ लड़कियो की फोटो भेजी गई जिसमें से मेने एक फोटो पसंद की इन लोगो ने उसको चैटिंग पर ही देहरादून स्थित तुलसी विला होटल जो कि ई सी रोड पर है में बुलाया । होटल पर पहुंचने पर वहां कोई नहीं मिला पर व्हटसअप पर कॉल आई की आप हमारी सर्विस लेने के लिए तीन लाख 13 हजार 550 रूपयें दे दो इसके बाद आपको सर्विस दे दी जाएगी। मेने उपरोक्त वर्णित मोबाइल नम्बर पर तीन बारी में सारी रकम भेज दी। जिसके बाद उसको एक अन्य नम्बर से फोन आया और फोन करने वाले ने अपने आपको पुलिस वाला बताया तथा उसको मुकदमा कायम करने के नाम पर डराकर 90 हजार रूपये और मंगवा लिये।

मारपीट कर घायल करने पर तीन नामजद

देहरादून (संवाददाता)। मारपीट कर घायल कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जमनपुर निवासी व्यक्ति ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी जमीन पर चार साल पहले एक बाऊण्डीवाल करी थी जिसको रात्रि मे मेसरजहां पत्नी आकाश शर्मा , आरिफ पुत्र शरीफ अहमद व आकाश पुत्र विरेन्द्र निवासीगण पीठवाली गली सेलाकुई देहरादून ने आपस मे मिलकर उक्त बउण्डी वाल को तोडकर क्षतिग्रस्त कर दिया था आज प्रातः जब वह अपने बेटे आशिक तथा हमारा रिश्तेदार अनीश जमीन पर गये तो तीनो व्यक्तियो ने उनके ऊपर लाठी डंडो से वार कर दिया।

चीला बैराज से मिला लापता बच्चे का शव

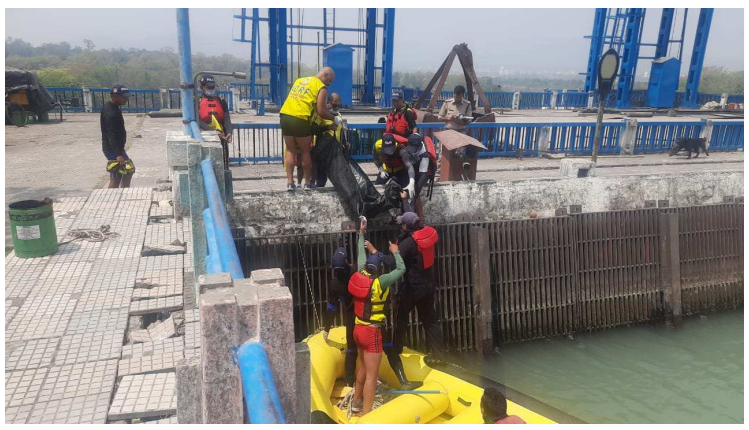

संवाददाता

देहरादून। दस दिन पूर्व चीला बैराज में बहे बाप बेटों में से एसडीआरएफ ने बच्चे का शव बरामद कर लिया है जबकि उसके पिता का अभी तक कुछ पता नहीं चल सका है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 3 अप्रैल 2022 को एसडीआरएफ टीम को थाना लक्ष्मण झूला द्वारा सूचित कराया गया था कि एक युवक द्वारा अपने पुत्र के साथ गंगा नदी में आत्महत्या की गई है। उपरोक्त सूचना प्राप्त होने पर एसडीआरएफ पोस्ट ढालवाला से उप निरीक्षक कविंद्र सजवाण के नेतृत्व में डीप डाइविंग टीम द्वारा तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया था। परन्तु दोनो का कोई सुराग नही मिल पाया था। एसडीआरएफ टीम द्वारा विगत 11 दिनों से लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा था। आज एसडीआरएफ टीम पोस्ट ढालवाला द्वारा पुनः सर्चिंग की गई। सर्चिंग के दौरान उक्त बच्चे नाम राघव पुत्र अर्चित बंसल उम्र 03 वर्ष निवासी भरत विहार ऋषिकेश, के शव को बरामद कर जिला पुलिस के सुपुर्द किया गया। अर्चित बंसल उम्र 32 वर्ष निवासी भरत विहार ऋषिकेश अभी भी लापता है। जिसकी सर्चिंग एसडीआरएफ टीम द्वारा की जा रही है।

कमरा ना देने पर होटल कर्मी पर ताना रिवाल्वर

संवाददाता

देहरादून। कमरा ना देने नशे में धुत्ता युवक ने होटल कर्मी पर रिवाल्वर तान दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार की रात्रि त्यागी रोड पर स्थित एक होटल में एक युवक युवती नशे में धुत्त होकर पहुंचे। युवक ने होटलकर्मी से कमरे की मांग की। लेकिन युवक के नशे में होने के कारण होटलकर्मी ने उसको कमरा देने से इंकार कर दिया जिससे युवक आग बबूला हो गया और गाली गलौच करने लगा। जब होटलकर्मी ने उसको वहां से जाने के लिए कहा तो युवक ने रिवाल्वर निकालकर उस पर तान दी। जिससे वहां अफरा तफरी मच गयी। होटल के कर्मचारियों ने इसकी सूचना तत्काल कोतवाली पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी युवक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। युवक ने अपना नाम मयंक मैठानी बताया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।